



# झारखण्ड गजट

## असाधारण अंक

### झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

---

संख्या 623 राँची, बुधवार 5 अग्रहायण 1936 (श०)  
26 नवम्बर, 2014 (ई०)

---

#### आपदा प्रबंधन विभाग

-----  
संकल्प

11 नवम्बर, 2014

विषय:- अन्तर्राज्यीय आपदा से प्रभावित क्षेत्र/आबादी इत्यादि के सहायता मानक निर्धारण की स्वीकृति के संबंध में ।

संख्या-1724--वर्तमान में देश के विभिन्न राज्यों में होने वाली प्राकृतिक आपदा में देश के बहुत सारे राज्यों से गये शैलानी/तीर्थयात्री/नियोजित कर्मी इत्यादि गंभीर रूप से प्रभावित होते रहते हैं, इसमें झारखण्ड के विभिन्न जिलों के निवासी भी प्रभावित होते रहते हैं । विभिन्न प्रकार की सुविधा एवं बचाव/चिकित्सा/राहत के तहत कम्बल, वस्त्र, खाद्य सामग्री, दवाओं इत्यादि के वितरण हेतु सरकार ने निम्न निर्णय लिया है:-

1.1. अन्तर्राज्यीय आपदा के लिए स्थायी बजटीय शीर्ष का सृजन किया गया जिसका विवरण निम्न है:-

मांग संख्या-39, गैर योजना:-

सं.	बजटीय शीर्ष
.	<p>मुख्यशीर्ष-2245-प्राकृतिक विपत्ति के कारण राहत</p> <p>उपमुख्यशीर्ष-02-बाढ़ चक्रवात आदि</p> <p>लघुशीर्ष-101-आनुग्रहिक राहत</p> <p>उपशीर्ष-07-अन्तर्राज्यीय आपदाग्रस्त व्यक्तियों के लिए वस्त्र/कंबल आदि का वितरण ।</p> <p>विस्तृत शीर्ष-06-अनुदान</p> <p>ईकाई-79-सहायता अनुदान सामान्य (गैर वेतन)</p>
.	<p>मुख्यशीर्ष-2245-प्राकृतिक विपत्ति के कारण राहत</p> <p>उपमुख्यशीर्ष-02-बाढ़ चक्रवात आदि</p> <p>लघुशीर्ष-101-आनुग्रहिक राहत</p> <p>उपशीर्ष-08-अन्तर्राज्यीय आपदाग्रस्त व्यक्तियों के लिए खाद्य सामग्री का वितरण ।</p> <p>विस्तृत शीर्ष-06-अनुदान</p> <p>ईकाई-79-सहायता अनुदान सामान्य (गैर वेतन)</p>
.	<p>मुख्यशीर्ष-2245-प्राकृतिक विपत्ति के कारण राहत</p> <p>उपमुख्यशीर्ष-02-बाढ़ चक्रवात आदि</p> <p>लघुशीर्ष-101-आनुग्रहिक राहत</p> <p>उपशीर्ष-09-अन्तर्राज्यीय आपदाग्रस्त व्यक्तियों के लिए चिकित्सीय सेवा मुहैया कराने एवं दवाओं का वितरण ।</p> <p>विस्तृत शीर्ष-06-अनुदान</p> <p>ईकाई-79-सहायता अनुदान सामान्य (गैर वेतन)</p>
.	<p>मुख्यशीर्ष-2245-प्राकृतिक विपत्ति के कारण राहत</p> <p>उपमुख्यशीर्ष-80-सामान्य</p> <p>लघुशीर्ष-102-विनाश वाले क्षेत्रों में प्राकृतिक विनाश, आकस्मिक योजनाओं का प्रबंध</p> <p>उपशीर्ष-14-अन्तर्राज्यीय आपदा के निमित्त राहत शिविर की व्यवस्था ।</p> <p>विस्तृत शीर्ष-02-यात्रा व्यय</p> <p>इकाई-13-देशीय यात्रा व्यय</p>
.	<p>मुख्यशीर्ष-2245-प्राकृतिक विपत्ति के कारण राहत</p> <p>उपमुख्यशीर्ष-80-सामान्य</p> <p>लघुशीर्ष-102-विनाश वाले क्षेत्रों में प्राकृतिक विनाश, आकस्मिक योजनाओं का प्रबंध</p>

	उपशीर्ष-14-अन्तर्राज्यीय आपदा के निमित राहत शिविर की व्यवस्था । विस्तृत शीर्ष-03-प्रशासनिक व्यय इकाई-28-विज्ञापन और प्रचार।
	मुख्यशीर्ष-2245-प्राकृतिक विपत्ति के कारण राहत उपमुख्यशीर्ष-80-सामान्य लघुशीर्ष-102-विनाश वाले क्षेत्रों में प्राकृतिक विनाश, आकस्मिक योजनाओं का प्रबंध उपशीर्ष-14-अन्तर्राज्यीय आपदा के निमित राहत शिविर की व्यवस्था । विस्तृत शीर्ष-07-अन्य व्यय इकाई-59-अन्य व्यय।

1.2 दूसरे राज्य में आये प्राकृतिक आपदा में एक मुश्त सहायता राशि देने के लिए स्थायी बजटीय शीर्ष निम्न है:-

मांग संख्या-39, गैर योजना:-

सं.	बजटीय शीर्ष
	मुख्यशीर्ष-2245-प्राकृतिक विपत्ति के कारण राहत उपमुख्यशीर्ष-02-बाढ़ चक्रवात आदि लघुशीर्ष-101-आनुग्रहिक राहत उपशीर्ष-06-अन्य राज्यों के आपदा पीड़ितों को सहायता विस्तृत शीर्ष-06-अनुदान ईकाई-79-सहायता अनुदान सामान्य (गैर वेतन)

उपरोक्त सहायता राशि देने की स्वीकृति मुख्यमंत्री के आदेश से प्राप्त किया जायेगा ।

1.3 अन्तर्राज्यीय आपदा में राज्य के फंसे लोगों के बचाव कार्य हेतु विशेष परिस्थिति में विभागीय मंत्री एवं मुख्य सचिव के अनुमोदन से बचाव दल की व्यवस्था की जायेगी जिसके सदस्य अन्तर्विभागीय होंगे ।

1.4 झारखण्ड भवन, नई दिल्ली अन्तर्राज्यीय आपदा में राज्य सरकार के समन्वयक के रूप में कार्य करेंगे ।

1.5 विशेष परिस्थिति में अन्तर्राज्यीय आपदा में प्रतिनियुक्त किये गये बचाव दल के सदस्यों को हवाई जहाज से आवागमन अनुमान्य होगा। यह राज्य सरकार के यात्रा भत्ता नियमावली से बाधित नहीं होगा।

1.6 भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर राहत के तहत कंबल, वस्त्र आदि के क्रय हेतु बिना निविदा आमंत्रित किये हुए सरकारी संस्थान, झारखण्ड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, KVIC, झारक्राफ्ट एवं झारखण्ड अवस्थित केन्द्रीय कारा/काराओं से तैयार सामग्री का क्रय उनसे प्राप्त दर एवं negotiation से किया जायेगा।

1.7 अन्तर्राज्यीय आपदा के दौरान राज्य के फंसे लोगों वापस लाने के लिए भारत सरकार द्वारा हवाई यात्रा एवं रेल यात्रा की सुविधा को avail किया जायेगा। इसके नहीं रहने पर आवागमन का खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया जायेगा।

1.8 Preparedness हेतु राज्य के लिए Action Point तैयार किया जायेगा। जिसमें CPSus, Bank एवं प्राईवेट वाणिज्यिक संस्थान को भी शामिल किया जायेगा।

1.9 अन्तर्राज्यीय आपदा के दौरान विभागीय नियंत्रण कक्ष 24x7 संचालित रहेगा।

2.0 प्रस्ताव पर मंत्रिपरिषद् द्वारा दिनांक-20.10.2014 की बैठक में मद संख्या-01 एवं दिनांक-11.09.2014 की बैठक में मद संख्या-16 में “अन्यान्य” के रूप में इसकी स्वीकृति दी गयी है। यह स्वीकृति विभागीय प्रस्ताव ज्ञापांक-1642, दिनांक-15.10.2014 के क्रम में प्राप्त है।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,  
अमरेन्द्र प्रताप सिंह,  
सरकार के सचिव।

-----